

विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ

दिनांक -06 - 10-2020

विषय -हिन्दी

विषय शिक्षक -पंकज कुमार

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ -10 शक्ति और क्षमा कविता के बारे में अध्ययन करेंगे।

क्षमा, दया, तप, त्याग, मनोबल
सबका लिया सहारा
पर नर व्याघ्र सुयोधन तुमसे
कहो, कहाँ, कब हारा?

क्षमाशील हो रिपु-समक्ष
तुम हुये विनत जितना ही
दुष्ट कौरवों ने तुमको
कायर समझा उतना ही।

अत्याचार सहन करने का
कुफल यही होता है
पौरुष का आतंक मनुज
कोमल होकर खोता है।

क्षमा शोभती उस भुजंग को
जिसके पास गरल हो
उसको क्या जो दंतहीन
विषरहित, विनीत, सरल हो।

तीन दिवस तक पंथ मांगते
रघुपति सिन्धु किनारे,
बैठे पढ़ते रहे छन्द
अनुनय के प्यारे-प्यारे।

शब्दार्थ

मनोबल – मन की शक्ति

रिपु – शत्रु

समक्ष – सामने

भुजंग – सर्प

गरल – विष

अनुनय – प्रार्थना

लिखकर याद करें।